

190

66

न्यायालय श्रीमान पीठासीन अधिकारी महोदय म०प्र० राजस्व मण्डल ग्वालियर

विश्रांती 2192-II-15

कैम्प रीवा म०प्र०

201
16-6-15



19206-

रामरतन तनय गोविन्दराम ब्राह्मण निवासी चौका सोनवर्धा, तहसील मउमंज
जिलारीवा म०प्र० — निगरानीकर्ता

बनाम

1. रामजी तनय रामनिहोर ब्राह्मण
2. बाला प्रसाद तनय बहरी प्रसाद ब्राह्मण
3. हरिहर प्रसाद तनय बहरी प्रसाद ब्राह्मण

उपरोक्त तीनों निवासी ग्रामचौका सोनवर्धा, तहसील मउमंज
जिला रीवा म०प्र० — मैर निगरानीकर्ता गिण

निगरानी बिल्लू आदेशों अपर आयुक्त महोदय रीवा
संभागीया के प्र०क्र० 436/निगरानी/2005-2006
में पारित आदेश दिनांक 30.3.2015 के बिल्लू
अन्तर्गत धारा 50 प्र०भूरा सं० के अधीन निगरानी

अतीव शीवा कर एड
16-6-15

सर्किट कोर्ट रीवा

क्रमांक 5850
रजिस्टर्ड आज
दिनांक प्राप्त

महोदय,
राजस्व मण्डल ग्वालियर

निगरानी के तथ्य:-

प्रकरण का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि अनावेदक क. 1 के द्वारा तहसील न्यायालय में वादग्रस्त आराजी नं. 57, 105, 128, 150, 78, मीजा चौका सोनवर्धा, तहसील मउमंज जिलारीवा म०प्र० के भूमि का नक्शा तमीम की कार्यवाही हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया, जवकि उक्तभूमि में अनावेदक क्रमांक 1 का कब्जा दखल नहीं था बल्कि उक्तभूमि में आवेदक का कब्जा दखल था लेकिन तहसीलदार महोदय के द्वारा विधि बिल्लू टंगसे नक्शा तमीम की कार्यवाही कर दी गयी जिस नक्शा तमीम आदेश के बिल्लू आवेदक के द्वारा अनु० अधि० महोदय के न्यायालय से अपील प्रस्तुत की गयी

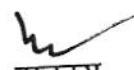
रामरतन

(66)

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश ग्वालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ-अ

प्रकरण क्रमांक R. 2192- दो 115 जिला- रीवा

रामरतन या. विरुद्ध रामजीदा. वगैरे

(1)	(2)	(3)
15-1-19	<p>1. आवेदक की ओर से श्री <u>अनीष श्रीवास्तव</u> अधिवक्ता द्वारा यह निगरानी कमिश्नर/अपर कमिश्नर, रीवा संभाग रीवा के प्रकरण क्रमांक <u>436/निग./2005-06</u> में पारित आदेश दिनांक <u>30-3-15</u> के विरुद्ध इस न्यायालय में दिनांक <u>16-6-15</u> प्रस्तुत की गयी है।</p> <p>2. म0प्र0 भू-राजस्व संहिता में दिनांक 25.09.2018 को हुये संशोधन के फलस्वरूप अब नवीन संहिता की धारा 50 सहपठित संहिता की धारा 54(ए) के अन्तर्गत निगरानी सुनने की अधिकारिता इस न्यायालय को नहीं है। अतः आवेदक को सक्षम न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत करने हेतु मूलतः वापस किया जाता है। निगरानी की छायाप्रति प्रकरण के साथ रखी जाये।</p> <p>3. इस न्यायालय का प्रकरण समाप्त किया जाता है, तत्पश्चात प्रकरण दा.द. हो।</p>	<p> सदस्य</p>